भाकृअनुप - केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक 753 006

कृषि सलाहकार सेवा

सितंबर 2026 के द्वितीय पखवाड़े की रणनीतियाँ

- उथली निचलीभूमि/मध्यम भूमि में अधिक उपज देने वाली किस्मों के रोपित धान में 35 किलो यूरिया/एकड़ और 42 किलो यूरिया/एकड़ संकर किस्मों के लिए जुताई के चरण (रोपाई करने के 20-25 दिन बाद) पर प्रयोग करें। सामान्य रोपित धान में 17.5 किग्रा यूरिया प्रति एकड़ के साथ बाली निकलने की अवस्था में (रोपाई करने के 50-55 दिन बाद) उर्वरक की दूसरी टॉप ड्रेसिंग करें जबकि रेतीली मिट्टी में 17.5 किग्रा यूरिया और 13 किग्रा एमओपी प्रयोग करें।
- प्रारंभिक प्रत्यारोपित धान में, यदि थ्रिप्स की समस्या देखी जाती है, तो किसान नीम बीज आधारित कीटनाशक जैसे एज़ाडिराक्टिन 0.15% 1 लीटर/एकड़ की दर से या लैम्ब्डासाइहेलोथ्रिन 5% ईसी 100 मिलीलीटर की दर से या थियामेथोक्सम 25% डब्ल्यूजी 40 ग्राम की दर से 200 लीटर पानी में एक एकड़ क्षेत्र के लिए छिड़काव कर सकते हैं।
- धान खेत में तना छेदक और पत्ता मोड़क के संक्रमण की निगरानी के लिए 3 फेरोमोन ट्रैप/एकड़ रखें। जब भी नर कीट/जाल की संख्या 4 या 5 तक पहुँच जाए, तो अजाडिरक्टिन 0.15% ईसी 800 मिली/एकड़ दर से या क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 4% जीआर 4 किग्रा/एकड़ 1:1 के अनुपात में रेत के साथ मिलाकर या क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली/एकड़ 200 लीटर पानी दर से या टेट्रानिलिप्रोल 200 एससी 100-120 मिली/एकड़ 200 लीटर पानी की दर से या फ्लूबेनडियामाइड 20 डब्ल्यूजी 50 ग्राम/एकड़ 200 लीटर पानी में मिलाकर या कार्टैप हाइड्रोक्लोराइड 4जी 10 किग्रा/एकड़ दर से छिड़काव करें।

- अंडे परजीवी, ट्राइकोग्रामा जैपोनिकम (एनआरआरआई ट्राइकोकार्ड-टी.जे) और ट्राइकोग्रामा चिलोनीस (एनआरआरआई ट्राइकोकार्ड-टी.सी) क्रमशः तना छेदक और पत्ती फोल्डर संक्रमण का प्रबंधन करने के लिए एक बार कीटें दिखाई देने के बाद प्रति हेक्टेयर तीन कार्ड (जिसमें ~ 60000 परजीवी अंडे होते हैं) विमोवित करें। अंडे के द्रव्यमान या कीट गतिविधि के समाप्त होने तक हर 7-10 दिनों के अंतराल पर ऐसे पांच विमोचन किए जाते हैं जो भी पहले हो।

- जब भी दो मुड़ी हुई पत्तियां/पूंजा दिखाई दें तो पत्ता मोड़क को नियंत्रित करने के लिए क्लोरेंट्रानिलिप्रोल **18.5%** एससी **60** मिली/एकड़ दर से या

- फ्लूबेंडियामाइड **20** डब्ल्यूजी **50** ग्राम**/**एकड़ या करटाप **50** डब्ल्यूपी **400** ग्राम**/**एकड़ दर से टेट्रानिलिप्रोल **200** एससी **100-120** मिली**/**एकड़ **200** लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
- गॉल मिज संक्रमण होने पर फिप्रोनिल 05% एससी 400-600 मिली/एकड़ दर से या लैम्ब्डा-साइहालोथ्रिन 5% ईसी 100 मिली/एकड़ दर से या क्लोरपाइरीफॉस 20 ईसी 500 मिली/एकड़ दर से या कार्बोफुरन 3जी 10 किग्रा/एकड़ की दर से छिड़काव करें।
- यदि भूरा पौध माहू की संख्या ईटीएल (5-10 माहू/पूंजा) से अधिक है, तो वैकल्पिक गीला और सुखाने की तकनीक (पानी लंबे समय तक खेत में खड़ा नहीं होना चाहिए) द्वारा चावल के खेत की सूक्ष्म जलवायु को बदलने की सलाह दी जाती है। यदि समस्या फिर भी बनी रहती है, तो ट्राइफ्लुमेज़ोपाइरिम 10% एससी 94 मिली/एकड़ दर से या पाइमेट्रोज़ीन 50% डब्ल्यूजी 120 ग्राम/एकड़ दर से या डाइनोटफ्यूरन 20% एसजी 80 ग्राम/एकड़ दर से या इमिडाक्लोप्रिड 17.8% एसएल 50 मिली/एकड़ की दर से या एसेफेट 75% 400 ग्राम/एकड़ की दर से छिड़काव करें। भूरा पौध माहू के लिए अनुशंसित कीटनाशकों का प्रयोग निर्दिष्ट मात्रा में ही करें। भूरा पौध माहू के संक्रमण के दौरान नाइट्रोजनयुक्त उर्वरकों के प्रयोग से बचें।
- जीवाणुज अंगमारी/जीवाणुज पत्ता अंगमारी होने की स्थिति में, प्लांटोमाइसिन 1 ग्राम/लीटर की दर से कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 0.5-0.75 ग्राम/लीटर सहित 200 लीटर पानी प्रति एकड़ का प्रयोग करें।
- यदि पत्ता प्रध्वंस देखा जाता है, बीमारी को नियंत्रित करने के लिए टेबुकोनाजोल 50% + ट्राइफ्लॉक्सीस्ट्रोबिन 25% (नैटिवो 75 डब्ल्यूजी) 80 ग्राम प्रति एकड़ दर पर या एडिफोनफेस 50 ईसी 2 मिली/लीटर की दर से पानी में मिलाकर छिड़काव करें या या ट्राईसाइक्लाज़ोल 75 डब्ल्यूपी 0.6 ग्राम/लीटर की दर से छिड़काव करें या वैकल्पिक रूप से, बेल के पत्तों (25 ग्राम ताजी पत्तियां) का निचोड़ का छिड़काव या तुलसी (25 ग्राम ताजी पत्तियां) या नीम (200 ग्राम ताजी पत्तियां) प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करने पर रोग कम करने में मदद कर सकता है।
- सीधे बीज वाले चावल में भूरा धब्बा होने की स्थिति में, प्रोपिकोनाज़ोल 25 ईसी 200 मिली/एकड़ की दर से या मैनकोज़ेब 75डब्ल्यूपी 500 ग्राम/एकड़ की दर से या कार्बेन्डाजिम 50डब्ल्यूपी 400 ग्राम/एकड़ की दर से या कार्बेन्डाजिम 64% + मैनकोज़ेब 8% 75डब्ल्यूपी 300 ग्राम/ एकड़ की दर से एक एकड़ क्षेत्र के लिए 200 लीटर घोल का प्रयोग करें।

- ऊपरीभूमि धान में जब गंधी बग की संख्या आर्थिक सीमा स्तर से अधिक हो जाती है, अर्थात 2 वयस्क कीट/पूंजा या 5 वयस्क कीट/वर्गमीटर होने पर मैलाथियान 5% 10 किग्रा/एकड़ की दर से एक झाड़ दें या एटोफेनप्रोक्स 10 ईसी 200 मिली/एकड़ की दर से या क्लोरोपायरीफॉस 20% ईसी 1000 मिली/एकड़ की दर से छिड़काव करें।
- चावल की खेती से संबंधित रोग और नेमाटोड कीट समस्याएं के निपटने के लिए आईसीएआर-सीआरआरआई, कटक में एक "राइस हेल्थ क्लिनिक" स्थापित किया गया है। । यदि आप अपनी चावल की फसल में ऐसी कोई समस्या देखते हैं, तो प्रभावित चावल के पौधे का नमूना सोमवार से शुक्रवार तक कार्य दिवसों में सुबह 10.30 बजे से शाम 12.30 बजे तक राइस हेल्थ क्लिनिक में लाएं। क्लिनिक में लाए गए नमूने की वैज्ञानिक रूप से जांच की जाएगी और जब भी आवश्यक हो, संस्थान के विशेषज्ञ वैज्ञानिकों से सलाह ली जाएगी।